❖ RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

विदर्भ स्वाभिमान

❖ मुख्य संपादक सुभाषचंद्र जे. दुबे 9423426199 ❖ मुख्य प्रबंधक वीणा सुभाषचंद्र दुबे

❖ अमरावती, गुरूवार 29 अगस्त से 4 सितंबर 2024 ❖वर्ष :15 ❖ अंक- 10 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2021-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के बयान पर भड़का सुको

कैश-फॉर-वोट मामले में सुनवाई में संदेह पर खफा

नई दिल्ली- सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के बयान पर कड़ी आपत्ति जताई है. भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता को जमानत मिलने पर रेवंत रेड्डी ने भाजपा और बीआरएस के बीच कथित सौदे की ओर इशारा किया था. रेवंत रेड्डी की इसी टिप्पणी पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई है. सुप्रीम कोर्ट 2015 के कैश-फॉर-वोट मामले में सुनवाई कर रहा था.मुख्यमंत्री के रवैये पर तीव्र नाराजी जताते हुए जमकर फटकार लगाई.

क्या सीएम को ऐसा बयान देना चाहिए?-न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति पीके मिश्रा और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने रेवंत रेड्डी की टिप्पणी पर पूछा कि क्या सीएम को इस तरह का बयान देना चाहिए. इस तरह के बयान लोगों के मन में आशंका पैदा कर सकते हैं. हमें अपने आदेशों की आलोचना से कोई परेशानी नहीं है. हम अपने विवेक

और संविधान के तहत ली गई शपथ के अनुसार अपना कर्तव्य निभाते हैं. अगर न्यायपालिका विधायिका में हस्तक्षेप नहीं करती है तो उनसे भी यही उम्मीद की जाती है.

कहीं और हो सकती सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने चेतावनी दी है कि अगर तेलंगाना के सीएम को देश की सबसे बड़ी अदालत सुप्रीम कोर्ट का सम्मान नहीं है तो मामले की सुनवाई कहीं और हो सकती है. सुप्रीम कोर्ट ने 2015 के कैश-फॉर-वोट मामले को तेलंगाना से बाहर स्थानांतरित करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई दो सितंबर तक स्थगित कर दी है.सुप्रीम कोर्ट ने सीएम के बयान की आलोचना की और टिप्पणी की कि एक संवैधानिक पदाधिकारी इस तरह से बोल रहा है. शीर्ष अदालत ने कहा कि उसे किसी की आलोचना से कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन वे अपनी अंतरात्मा के अनुसार अपने कर्तव्यों का पालन करते रहेंगे. सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया कि क्या वह किसी राजनीतिक दल से परामर्श करके आदेश पारित करेगा.

पाक हाकी के तीन खिलाड़ियों पर प्रतिबंध

विदर्भ स्वाभिमान,28 अगस्त

नई दिल्ली- पाकिस्तान हॉकी टीम के तीन खिलाड़ी और फिजियोथेरेपिस्ट पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया गया है. इन सभी ने पाकिस्तान हॉकी संघ को जानकारी दिए बिना यूरोपीय देश में नागरिकता पाने की कोशिश की थी.इसका पता चलने के बाद संघ द्वारा यह सख्त कदम उठाया. इससे खेल जगत में खलबली मच गई है.

पाकिस्तान हॉकी संघ के महासचिव राणा मुजाहिद ने गुरुवार को इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि मुर्तजा याकूब, इहतेशाम असलम और अब्दुर रहमान व फिजियोथेरेपिट वकास पिछले महीने नेशंस कप के लिए नीदरलैंड्स और पौलेंड गए थे. उन्होंने कहा-जब टीम घर लौटी तो हमने एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए ट्रेनिंग शिविर की घोषणा की.मजाहिद ने कहा-तीनों खिलाड़ियों ने हमें सूचना दी कि घरेलू वजहों से वह शिविर में शिरकत नहीं कर सकेंगे. बाद में हमें पता चला कि वो टीम के लिए जारी किए गए वीजा पर होलेंड गए और वहां नागरिकता पाने की कोशिश की.हॉकी के लिए यह निराशाजनक एपिसोड रहा, जिसके कारण अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं के लिए यूरोपीय देशों में वीजा का आवेदन करना मुश्किल होगा. इससे पाकिस्तानी हाकी संघ में सनसनी मची है.

संपादकीय ......

कहीं बाढ़ तो कहीं सूखा दे रहा है मानव को चुनौती

इन्सान द्वारा मौसम के साथ की जा ही छेड़खानी हमारे लिए भस्मासुर साबित हो रही है. प्रकृति ने इंसान को भरपूर दिया है. लेकिन इंसान ने सदैव अपने स्वार्थ में इसका दोहन ही किया है. यही कारण है कि कहीं भरपूर बारिश हो रही है और बाढ ने तबाही मचा रखी है. कई राज्यों में भारी बारिश से तबाही देखने को मिल रही है. दिल्ली से लेकर गुजरात और राजस्थान तक जमकर बारिश हो रही है. गुजरात में तो भारी बारिश के बाद बाढ़ आ गई है. राज्य में नदियां उफान पर हैं. हालात और बिगड़ते जा रहे हैं. वहीं, मौसम विभाग ने कई राज्यों के लिए अलर्ट भी जारी किया है.

गुजरात में भारी बारिश के कारण अब तक 30 लोगों की मौत हो गई है. राहत और बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ की टीमों को लगाया गया है. अभी तक कई लोगों को रेस्क्यू किया जा चुका है. एनडीआरएफ के अलावा एसडीआरएफ, सेना, भारतीय वायु सेना और भारतीय तट रक्षक बल भी रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटे हैं.मौसम विभाग ने गुजरात के 11 जिलों के लिए रेड और कछ जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है. उधर, पीएम मोदी ने राज्य के सीएम भूपेंद्र पटेल से बातचीत की है. इसी बीच, भारतीय वायु सेना के एक हेलीकॉप्टर ने गुरुवार को देवभूमि द्वारका से चार लोगों को बचाया.भारतीय सेना की छह टुकड़ियां सबसे अधिक प्रभावित इलाकों में बचाव अभियान चला रही हैं.

उधर, मौसम विभाग ने गुजरात के अलावा दिल्ली, महाराष्ट्र, बंगाल, तेलंगाना उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश समेत 14 राज्यों के लिए बारिश का अलर्ट जारी किया है.दिल्ली-एनसीआर में देर रात तेज बारिश हुई. बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव हो गया, जिससे ट्रैफिक जाम हुआ. सड़कों पर वाहन रेंगते हुए नजर आए. सुबह ऑफिस जाने वाले लोगों को काफी दिक्कत हुई.राजधानी लखनऊ में बारिश के बाद तापमान में गिरावट आई है. राज्य के पूर्वी और पश्चिमी हिस्स में गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है.मौसम विभाग ने बताया कि बिहार के कई जिलों में भी बारिश के आसार हैं. एक से दो दिनों में बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव का क्षेत्र विकसित होने के कारण प्रदेश में वर्षा की स्थिति में सुधार के आसार है.प्राकृतिक संतुलन पर ध्यान देना सभी की जिम्मेदारी है.

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक, संपादक एस.जे.दुबे ने एस.बी.प्रिंटर्स, गांधी चौक अमरावती से मुद्रित कर छाया कॉलोनी, अकोली रोड, अमरावती 444602 से प्रकाशित किया है. मोबाइल नंबर ***9423426199/9420406706/8855019189.*** विदर्भ स्वाभिमान में प्रकाशित होने वाले विभिन्न लेख, पत्र, साहित्य, लेखकों तथा कवियों के विचारों तथा तथ्यों पर आधारित होते हैं. इन लेखकों के विचारों,तत्थ्यों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है. संपादक पर केवल सम्पादकीय लेखों का ही दायित्व है. **मुख्य प्रबंधक-** सौ. वीणा सुभाषचंद्र दुबे.(सभी विवाद अमरावती जिला न्यायालय अंतर्गत).

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

E-Mail-vidarbh. swabhiman@gmail.com

www.vidarbhswabhiman.com

व्रत से भगवान भोलेनाथ और माता पार्वती की बरसती है कृपा

हरतालिका तीज व्रत हर साल भाद्रपद शुक्ल पक्ष में आने वाली तृतीया तिथि पर किया जाता है. यह व्रत मुख्य रूप से भगवान शिव और माता पार्वती के निमित्त किया जाता है. इस व्रत को निर्जला रखने का विधान है. ऐसे में आप हरतालिका तीज की पूजा में इन मंत्रों का जाप कर भगवान जी और माता पार्वती की कृपा के पात्र बने रह सकते हैं. इस व्रत के करने से महिलाओं के सुहाग की खुशहाली के साथ ही परिवार की खुशहाली भी आती है. व्रत को लेकर महिलाओं में अपार उत्साह रहता है. इस दिन महिलाएं महादेव और मां पार्वती की पूजा-अर्चना करने में व्यस्त रहते हैं.

हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल भाद्रपद माह की शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि 05 सितंबर को दोपहर 12 बजकर 21 मिनट पर शुरू होने जा रही है. साथ ही इस तिथि का समापन 06 सितंबर को दोपहर 03 बजकर 01 मिनट पर होने वाला है. ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, हरतालिका तीज का व्रत शुक्रवार 06 सितंबर 2024 के दिन रखा जाएगा. इस दिन पूजा का शुभ मुहूर्त कुछ इस प्रकार रहने वाला है -

हरितालिका तीज पूजा मुहूर्त - सुबह 06 बजकर 02 से सुबह 08 बजकर 33 मिनट तक है.

भगवान शिव के मंत्र

ओम नमः शिवाय

ओम महेश्वराय नमः

ओम पशुपतये नमः

ऊँ शं शंकराय भवोद्भवाय शं ऊँ नमःनमामिशमीशान निर्वाण रूपं विभुं व्यापकं ब्रम्ह वेद स्वरूपं

ऊँ शं विश्वरूपाय अनादि अनामय शं ऊँऊँ क्लीं क्लीं क्लीं वृषभारूढ़ाय वामांगे गौरी कृताय क्लीं क्लीं क्लीं ऊँ नमः शिवाय,ऊँ शं शं शिवाय शं शं कुरु कुरु ऊँ

मां पार्वती जी के मंत्र

ओम पार्वत्यै नमः

ओम उमाये नमः

या देवी सर्वभूतेषु मां गौरी रूपेण संस्थिता.

नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः

यह भी पढ़ें - एक नहीं बल्कि 5 पर्वत श्रृंखलाओं का समूह है कैलाश, जानें इनका धार्मिक महत्व

मां पार्वती को सिंदूर चढ़ाने का मंत्र- सिंदूरं शोभनं रक्तं सौभाग्यं सुखवर्धनम्. शुभदं कामदं चैव सिंदूरं प्रतिगृह्यताम्..मनचाहे वर के लिए मंत्र - गण गौरी शंकरार्धांगि यथा त्वं शंकर प्रिया. मां करु कल्याणी कांत कांता सुदुर्लभम. इस व्रत के करने का अपार पुण्य महिलाओं को प्राप्त होता है. यह व्रत करने वाली महिलाओं का सुहाग जहां बना रहता है, वहीं दूसरी ओर घर में खुशहाली और सुखी वाला माहौल होता है.

पांच पर्वत श्रृंखलाओं का समूह है कैलाश पर्वत

सनातन धर्म में सभी देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना को बहुत ही कल्याणकारी माना जाता है. साधक रोजाना भगवान शिव और मां पार्वती की विधिपूर्वक उपासना करते हैं. साथ ही प्रभु के मंत्रों का जप करते हैं. धार्मिक मान्यता है कि ऐसा करने से साधक को जीवन की दुखों से मक्ति मिलती है. वहीं, जातक प्रभु के दर्शन करने के लिए शिव जी के मंदिर भी जाते हैं. जहां वह अपने आराध्य के दर्शन का लाभ उठाते हैं. महादेव को समर्पित कई मंदिर पहाड़ों पर भी हैं, जहां अधिक संख्या में श्रद्धलु दर्शनों के लिए जाते हैं. पौराणिक कथा के अनुसार, हिमालय में भगवान शिव का वास माना जाता है. आपकी जानकारी के लिए बता दें कि कैलाश पर्वत पांच पर्वत श्रृंखलाओं का समूह है, जिसे पंच कैलाश के नाम से जाना जाता है. चलिए इस लेख में जानते हैं कौन-कौन से हैं पंच कैलाश?

कैलाश मानसरोवर-धार्मिक मान्यता के अनुसार, तिब्बत में स्थित कैलाश मानसरोवर को भगवान शिव और मां पार्वती का घर माना जाता है. पौराणिक कथा के मुताबिक, यह वही पवित्र स्थान है, जहां शिव-शंभू विराजमान हैं. कैलाश मानसरोवर का उल्लेख शिव पराण में देखने को मिलता है.**आदि कैलाश-**आदि कैलाश उत्तराखंड में है. इस कैलाश को रुंग समुदाय से जुड़े लोगों का प्रमुख स्थल माना जाता हैं. रुंग परंपरा के मुताबिक, आदि कैलाश महादेव का मूल निवास था. ऐसा माना जाता है कि यहां पर संतों और अन्य लोगों के आने से महादेव की तपस्या में बाधा आ रही थी, जिसकी वजह से महादेव को इस जगह को छोड़ना पड़ा.

किन्नर कैलाश-किन्नर कैलाश हिमाचल प्रदेश में है. किन्नर कैलाश की यात्रा को अमरनाथ और मानसरोवर की यात्रा से भी बहुत कठिन मानी जाती है. किन्नर कैलाश महादेव के भक्तों के लिए अहम स्थान है.

मणिमहेश कैलाश-मणिमहेश कैलाश हिमाचल प्रदेश में है।यहां शिवलिंग के आकार की एक चट्टान है, जिसे महादेव का स्वरूप माना जाता है. पौराणिक कथा के अनुसार, मणिमहेश कैलाश का निर्माण शिव जी ने मां पार्वती से विवाह करने के पश्चात किया था.

श्रीखंड महादेव कैलाश-श्रीखंड महादेव कैलाश हिमाचल में है. इस कैलाश को महादेव के धार्मिक स्थलों में से सबसे ऊंचा स्थल माना जाता है. इस पर्वत की ऊंचाई समुद्र तल से 18,300 फीट है. पौराणिक कथा के अनुसार, श्रीखंड महादेव कैलाश पर जगत के पालनहार भगवान विष्णु ने भस्मासुर नामक दैत्य को मारा.

लाड़का कस्टमर योजना बनी ग्राहकों की पहली पसंद

सामाजिक दायित्व की भावना से राजपुरोहित फोटो स्टुडियो की राज्य में अपनी तरह की पहली शानदार सौगात

आज कमाई की गलाकाट स्पर्धा के दौर में सामाजिक दायित्व की भावना कम होती जा रही है. राज्य में लोकप्रिय मुख्यमंत्री लाड़की बहन योजना की तर्ज पर सुख्यात युवा फोटोग्राफर और राजपुरोहित फोटो स्टुडियो के संचालक तथा वेडिंग गामा प्रोडक्शन के सीईओ पुखराज राजपुरोहित ने ग्राहकों के लिए लाड़का कस्टमर योजना शुरू की है. इसका भव्य शुभारंभ बुधवार को मान्यवरों की उपस्थिति में हुआ. इसमें योजना में शामिल ग्राहकों को 5 साल तक साल में एक बार पासपोर्ट फोटो फ्री देने की घोषणा की. योजना के शुभारंभ के दिन से ही ग्राहकों का भारी प्रतिसाद योजना को मिलना शुरू हो गया.

राष्ट्रीय वक्ता प्राचार्य सुधीर महाजन की सलाह

थानेदार महेन्द्र आंभोरे ने की योजना की सराहना

अच्छे रहो, अच्छे को प्रोत्साहित करते रहें

विदर्भ स्वाभिमान,28 अगस्त

अमरावती- अच्छाई अपना रास्ता स्वयं बना लेती है, जिस तरह सूर्योदय के बाद अंधेरा टिक नहीं सकता है, वैसे ही सेवाभाव करने वालों को सदैव साथ देने और प्रोत्साहित करने से यह बढ़ता है. इसलिए अच्छा बनने के साथ ही अच्छे लोगों की मदद और साथ देने का प्रयास करना चाहिए. इससे अच्छाई बढेगी. पुखराज राजपरोहित द्वारा सामाजिक दायित्व की भावना से शुरू की गई लाड़का कस्टर योजना निश्चित ही सराहनीय है और इसका अधिकाधिक लोगों को लाभ लेना चाहिए. इस आशय का आग्रह पोद्दार इंटरनेशनल स्कूल के प्राचार्य सुधीर महाजन ने किया. वे शारदा नगर में योजना का शुभारंभ करने पश्चात बोल रहे थे.

इस मौके पर प्रमुख अतिथि के रूप में दैनिक भास्कर के ब्यूरो चीफ त्रिदीप वानखडे, राजापेठ के थानेदार महेन्द्र एस. आंभोरे, दीपा एज्युकेशन के सचिव रंगनाथ चांडक सहित अन्य मान्यवर उपस्थित थे. अध्यक्षता उम्मेदसिंह राजपरोहित ने की.थानेदार महेन्द्र आंभोरे ने भी योजना की सराहना करते हुए इसकी सफलता की कामना की. उनके मुताबिक इस तरह का सेवाभाव उपक्रम में सभी को योगदान देने का प्रयास करना चाहिए.

सुख्यात वक्ता और प्राचार्य सुधीर महाजन ने अपने संक्षिप्त मार्गदर्शन से सभी का दिल जीत लिया. सकारात्मकता का आदर्श उदाहरण देते हुए सभी को इसके लिए प्रेरित किया. उन्होंने सकारात्मकता बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि जितना संभव हो, हम सभी को सहयोग की भावना रखकर सकारात्मक कार्य करना चाहिए. सर्वप्रथम अतिथियों का सत्कार पुखराज राजपरोहित, शुभम, सागर के साथ गुंजन राजपरोहित, वीणा दुबे ने किया. प्रास्ताविक में योजना की जानकारी पुखराज राजपुरोहित ने दी. संचालन सुभाष दुबे तथा आभार प्रदर्शन वेडिंग गामा प्रोडक्शंस के सीईओ पखराज राजपरोहित ने किया. पहले ही दिन योजना को भव्य प्रतिसाद मिला. अतिथियों ने स्वयं योजना में सहभागिता लेकर फोटो खिंचवाया. दिनभर योजना के लिए सैकड़ों लोगों ने स्टूडियो में पहुंचकर उन्हें शुभकामनाएं दी.शारदा नगर स्थिति स्टुडियो में हुए शानदार कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मान्यवरों ने संचालक पुखराज राजपुरोहित के साथ ही कर्मचारियों का अभिनंदन किया. थानेदार महेन्द्र आंभोरे के साथ ही सभी अतिथियों ने इस उपक्रम की जी-जान से सराहना की और इस तरह की सामाजिक दायित्व की भावना आज जरूरी रहने की बात कही. अल्पोहार से कार्यक्रम का समापन हुआ. पहले ही दिन योजना में बड़ी संख्या में सदस्यों ने शामिल होकर इसकी कामयाबी का संकेत दिया. सीईओ पुखराज राजपुरोहित ने सभी के प्रति कृतज्ञता जताते हुए सभी का योजना को सहयोग मिलने का विश्वास जताया.दिन भर कईयों ने भेंट देकर योजना की सराहना की. साथ ही उन्हें सफलता के लिए शुभकामनाएं दी.

अंबादेवी मंदिर है जागृत मंदिर

विदर्भ की कुलस्वामिनी के रूप में अंबादेवी तथा एकवीरा देवी मंदिर का उल्लेख किया जा सकता है. छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक की पत्रीका मां अंबादेवी के चरणों के लिए आने की बात साबित होती है. मंदिर संस्थान की अध्यक्षा तथा पूर्व महापौर श्रीमती विद्याताई देशपांडे के कुशल नेतृत्व में धर्म के साथ ही सामाजिक और गरीब छात्रों के लिए बेहतरीन उपक्रम लिया जाता है. अंबादेवी वाचनालय के माध्यम से सैकड़ों बच्चों को अभी तक नौकरी प्राप्त हुई है. इसके साथ ही मंगलवार को अल्प दर में बेहतरीन महाप्रसाद भक्तों के लिए वितरित किया जा रहा है. कुल मिलाकर अंबादेवी मंदिर धर्म के साथ ही सेवाभाव का केन्द्र बना हुआ है. मां अंबा की कृपा से आज तक अमरावती पर कोई संकट नहीं आने की बात कई भक्त बताते हैं. इतना ही नहीं तो मंदिर में नियमित दर्शन करने वाले भक्तों की संख्या भी लाखों में है. जो मां का दर्शन कर अपने जीवन में सफलता के साथ संतुष्टि प्राप्त करते हैं. मंदिर ट्रस्ट के सभी ट्रस्टी सेवा तथा भक्तिभाव से परिपूर्ण रहने से मंदिर का कामकाज पारदर्शी तरीके से चल रहा है और मां का आशिर्वाद समस्त भक्तों को मिल रहा है. मंदिर में साफ-सफाई से लेकर महाप्रसाद तथा स्वास्थ्य सेवा भी दी जाती है. अल्प शुल्क में मरीजों की स्वास्थ्य जांच के साथ ही उपचार अंबादेवी ट्रस्ट हास्पिटल से दिया जाता है. डॉ. जयंत पांढरीकर सहित अन्य इसमें सेवा दे रहे हैं.

धर्म से आचरण,आचरण से जीवन संवरने में मिलती मदद

अमरावती सांस्कृतिक के साथ ही धार्मिक नगरी है. यहां चाहे बुधवारा का पौराणिक महत्व रखने वाले और प्रभु श्रीकृष्ण के चरणों से पुनीत श्रीकृष्ण मंदिर हो, खल्लार में बालाजी की उपस्थिति से गौरवान्वित खल्लार बालाजी मंदिर, विदर्भ की कुलस्वामिनी अंबादेवी-एकवीरा देवी मंदिर हो, कौंडण्यपुर में विठ्ठल-रूक्मीणी मंदिर हो, ऐसे सैकड़ों मंदिर हैं, जिन्होंने लाखों लोगों के जीवन को तारा है. कर्म के साथ जब धर्म जुड़ जाता है तो सफलता, संतोष और आत्मसम्मान बढ़ता है. धर्म से आचरण और आचरण से जीवन संवरता है. जिसका आचरण अच्छा होता है, वह दुनिया में कभी हारता नहीं है. संस्कार का पतन ही आज हमारे देश के लिए सबसे बड़ी समस्या बनता जा रहा है. इसलिए सदैव धर्म के मार्ग पर चलने का प्रयास करना चाहिए.

श्री अंबादेवी अमरावती

इसी तरह अंबादेवी के पास में ही स्थिति और देश में सुख्यात एकवीरा देवी मंदिर में दर्शन करने से मन तृप्त हो जाता है. लाखों भक्तों को मां एकवीरा देवी ने तारा है और यही कारण है कि मंदिर में रोज हजारों की संख्या में भक्त पहुंचकर दर्शन करने के साथ ही अपने जीवन की तमाम समस्याओं से मुक्ति पाते हैं.

इसका अनुभव अमरावती शहर के साथ ही विदर्भ के सैकड़ों भक्तों को बडनेरा से कुछ किलोमीटर की दूरी पर खल्लार स्थित प्राचीन और पौराणिक बालाजी मंदिर से आता है. मंदिर में स्थापित भगवान बालाजी स्वयंभू हैं. बताते हैं कि कुएं में मिली इस मूर्ति का दर्शन कर भक्त जहां तृप्त होते हैं, वहीं अमरावती के भक्तों द्वारा हर शुक्रवार को यहां पर अभिषेक सुबह 7 से 10 बजे तक किया जाता है. इस धार्मिक अनुष्ठान में अमरावती के बड़ी संख्या में भक्त शामिल होते हैं.खल्लार बालाजी मंदिर की भगवान बालाजी की मूर्ति को जागृत मूर्ति के रूप में माना जाता है. मंदिर से जुड़े महेश डोबा और कई साल से हर शुक्रवार को यहां आने वाले और भगवान बालाजी का अभिषेक करते हुए आत्मिक आनंद की अनुभूति करने वाले रामार्पण परिवार के अतुल महाराज बताते हैं कि मंदिर में कुछ पल बैठने पर ही अपार सुकून की अनुभूति होती है. मंदिर में हर शुक्रवार को व्यंकटेश बालाजी भगवान की आरती मन मोहने के साथ सप्ताह भर की उर्जा देती है.

विदर्भ स्वाभिमान

कमाने का सुनहरा अवसर,विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा.

मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199/8855019189

वार्ड संवाददाता चाहिए

अमरावती महानगर पालिका क्षेत्र में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है. वार्ड की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का फैसला विदर्भ स्वाभिमान ने लिया है. ऐसे में वार्ड स्तर पर संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. समस्या की समझ के साथ ही समाजसेवा में रूचि रखने वाले युवा संपर्क कर सकते हैं. अपने क्षेत्र की समस्याएं आप भी जागरूक नागरिक के रूप में देकर प्रशासन तक पहुंचा सकते हैं. अपने क्षेत्र में मार्केटिंग के साथ ही विज्ञापन व्यवसाय के माध्यम से बेहतरीन कमाई भी कर सकते हैं. मेहनत करने की तैयारी वाले ही तत्काल संपर्क करें

संपर्क

छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती

मो. 9423426199/8855019189

विदर्भ स्वाभिमान

सदस्य बनें

विदर्भ स्वाभिमान संस्कारों का प्रोत्साहित करने वाला अखबार है. बच्चों के लिए यह ज्ञान का भंडार है. इसकी सदस्यता का अभियान चल रहा है. ऐसे में सदस्य बनने के इच्छुक संपर्क करें. मार्केटिंग करने तथा पेपर बांटने के लिए लड़के चाहिए.

संपर्क

छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती.

मो.9423426199

युवा स्वाभिमान की अद्भुत,अभूतपूर्व दहीहंडी रविवार को

मुख्यमंत्री लाड़ली बहन योजना को समर्पित, उमड़ेगा जनसैलाबराणा दम्पति की हर पहल होती है ऐतिहासिक,लाखों उमड़ेंगे

विदर्भ स्वाभिमान,28 अगस्त

शहर ही नहीं तो समूचे राज्य में चर्चित युवा स्वाभिमान पार्टी की अद्भुगत, अभूतपूर्व दहीहंडी रविवार 1 सितंबर को नेताओं,अभिनेताओं, अभिनेत्रियों की मौजूदगी में नवाथे चौक पर हो रही है. इसके मंडप का भूमिपूजन पुलिस आयुक्त नवीनचंद्र रेड्डी के हाथों किया गया.इस बार दहीहंडी का कार्यक्रम मख्यमंत्री लाड़ली बहन योजना को समर्पित है. इस दही हांडी कार्यक्रम में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ विभिन्न प्रसिद्ध सिने कलाकार आकर्षण का केंद्र रहेंगे. सभी को इस भव्य दिव्य दहीहंडी कार्यक्रम में उपस्थित रहने का आह्वान आयोजकों द्वारा किया गया है. जिले में राणा दम्पति का हर इवेंट अभूतपूर्व रहता है. इसकी तैयारियां कई दिनों सुनील राणा के नेतृत्व में की जा रही हैं. हजारों कार्यकर्ता इसे ऐतिहासिक बनाने के लिए लगे हैं.

युवा स्वाभिमान पार्टी द्वारा आयोजित एवं विधायक रवि राणा एवं पूर्व सांसद नवनीत रवि राणा द्वारा आयोजित विदर्भ स्तरीय नवाथे चौक अमरावती में लाखों नागरिकों की उपस्थिति में बड़े उत्साह एवं धूमधाम से संपन्न होगी, युवा स्वाभिमान पार्टी के 1000 स्वयंसेवक काम कर रहे हैं दिन और रात प्रयासरत हैं. प्रथम पुरस्कार 1 लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार 51 हजार रुपये, तृतीय पुरस्कार 31 हजार रुपये और प्रत्येक भाग लेने वाली गोविंदा टीम को नकद पुरस्कार दिया जाएगा. इस स्थान पर समूह एवं एकल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है और समूह नृत्य के लिए प्रथम पुरस्कार 11000 हजार रुपए, द्वितीय पुरस्कार 7000 हजार रुपए, तृतीय पुरस्कार 5000 रुपए, प्रथम पुरस्कार 3100 रुपए, द्वितीय पुरस्कार 2100 रुपए है. रुपये, तीसरा पुरस्कार 1100 रुपये है. तथा प्रत्येक प्रतिभागी को प्रोत्साहन पुरस्कार व प्रमाण पत्र दिया जायेगा तथा बच्चों को राधा- कृष्ण साज-सज्जा प्रतियोगिता का भी आयोजन किया है.इसको भव्य प्रतिसाद मिल रहा है. अमरावती की दहीहांडी में जाने-माने सिने अभिनेता, कार्तिक आर्यन और आशिकी 2 और स्त्री फेम श्रद्धा कपूर और आदित्य रॉय शामिल होंगे यहा आकर्षण प्रसिद्ध उद्योगपति, सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न समुदायों के संत भी उपस्थित दर्शाएंगे.धर्म से परिपूर्ण और हमारी संस्कृति व परंपरा को पोषित करने वाले इस भव्य दिव्य मंच पर विधायक रवि राणा व पूर्व सांसद नवनीत रवि राणा अपना सामाजिक दायित्व निभाएंगी, साथ ही जरूरतमंद विद्यार्थियों, निराश्रित महिलाओं, बेरोजगार युवाओं की मदद करेंगी. पूर्व सैनिकों, खिलाड़ियों, समाजसेवियों का सम्मान किया जायेगा.इस भव्य दिव्य दही हांडी और 31 फीट ऊंची दही हांडी में विदर्भ की प्रसिद्ध टीमें भाग लेंगी वे अपने हुनर और साहस को दांव पर लगाकर दर्शकों का रोमांच बढ़ाएंगे महिलाओं के लिए सुरक्षित एवं स्वतंत्र इस दही हांडी की सफलता के लिए विधायक रवि राणा, लोकप्रिय नेत्री पूर्व सांसद नवनीत रवि राणा के निर्देशानसार सनीलभाऊ राणा के नेतृत्व में विभिन्न समितियों का गठन किया गया है.12 फीट ऊंचा, 30 फीट चौड़ा और 60 फीट लंबा भव्य मंच दो चरणों में बनाया जाएगा, जिसमें 8 फीट चौड़ा और 12 फीट लंबा अलग रैंप होगा ताकि दर्शकों को गणमान्य व्यक्तियों और सिने कलाकारो तक पहुंचने की सुविधा मिल सके. कलाकारों को दूर से भी आसानी से और स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है.

सुरक्षा को प्राथमिकता

यहां पर लाखों लोगों की भीड़ उमड़ने की संभावना के मद्देनजर आयोजन स्थल पर व्यापक सुरक्षा बंदोबस्त किया गया है. इस स्थान पर पानी छिड़कने के लिए दमकल गाड़ियां, खिलाड़ियों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के लिए एंबुलेंस, हांडी के लिए हाइड्रा क्रेन, महिलाओं के लिए गैलरी, आकर्षक साउंड सिस्टम, डीजे सिस्टम आदि उपलब्ध होगी. आयोजन की ऐतिहासिक बनाने के लिए व्यवस्थापक नीलकंठराव कटरे, जयंतराव वानखड़े, शैलेन्द्र कस्तूरे, प्रो. अजय गाडे, हरीश चरपेझराष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष राष्ट्रीय सदस्य राष्ट्रीय सदस्य जीतू दधाने अजय देशमख ज्योति सैरिसे संजय हिंगासपरे नितिन बोरेकर,विनोद जायलवाल, विनोद गहे, अजय घुले मंगेश इंगोले पाटिल योगिता कोलटके मयुरी ए. कावरे दिनेश भ. तेकाम मीनल उ.डकरे आशीष गावंडे समति ढोके एम.जी.पी.सदस्य एम.जी.पी.सदस्य एम.पी.सदस्य एम.नगरसेवक एम.नगरसेवक गिरीश कासट अर्चना तलन अरुणा चाचाने चंदा लांडे अजय जयसवाल शहर अध्यक्ष अमरावती सभापति बडनेरा सभापति बडनेरा शहर अध्यक्ष समीक्षा गोटेफोडे विजय घुड़सवार रायसा परवीन रऊफ पटेल सचिन भेंड,अजय मोरय्या, संविता नेवारे नाना अमले किरण अंबडकर प्रकाश कथाने विलास वाडेकर सोनू रूंगाथा किशोर अंबाडकर जगदीश गल्हाने लक्ष्मणराव लाठेकर मंगला जाधव महेश मूलचंदानी किशोर पिवाल मिलिंद कहले बालू इंगोले नीलेश भेंडे अनुप अग्रवाल अनुप खडसे सद्दाम हुसैन गौतम हिरे नितिन तायडे राजेंद्र कोरडे रवि अडोकर गणेश मरोड़कर मक्सदभाई पराग चिमोटे सचिन बोंडे पल्लवी गोस्वामी सूरज मिश्रा संजय मुणोत अश्विन धोखे नीता खडसे, अश्विनी जोड मीना अगासे नंदा सावदे लता अंबलकर सारिका म्हाला माला खरसदे शोभा किटके प्रेमलता लवले सिंधु मतलाने सुनीता सावरकर सुनीता कोलमकर रोशनी लुचाईवाले वंदना जामनेकर सारिका कठिनाई वनिता तांतरपाले उषा प्रधान भीमरावजी गाडलिंग कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष योगदान है.

क्रार्यक्रम के लिए पुलिस के साथ ही सभी विभागों का सहयोग मिलने की जानकारी देते हुए युवा स्वाभिमान के पदाधिकारियों ने बताया कि यातायात व्यवस्था के साथ ही कार्यक्रम स्थल पर महिलाओं की सुरक्षा तथा किसी को भी कोई तकलीफ नहीं होने देने के लिए सभी तैयारियां और इंतजाम किया गया है. इसमें समूचे विदर्भ से टीमें तथा लोगों के शामिल होने से यह अभूतपूर्व रहेगी.

लोगों का प्यार कीमती है

पिछले कई वर्षों से युवा स्वाभिमान पार्टी द्वारा आयोजित दहीहंडी रिकार्ड बना रही है. इसके लिए लोगों से मिलने वाले प्रेम और आत्मीयता के लिए पूर्व सांसद नवनीत राणा, विधायक रवि राणा ने कृतज्ञता जताई और इसका आनंद लेने का सभी से आग्रह किया.

ज़ैन समाज का वार्षिक पर्व पर्युषण पर्व आरंभ

पर्यूषण पर्व जैन समाज में मनाया जाने वाला एक वार्षिक त्योहार है जिसे बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है. जैन धर्म की मान्यताओं के अनुसार भाद्रपद माह में पर्यूषण का पर्व मनाया जाता है- इस पर्व के दौरान जैन धर्म के लोग व्रत उपवास और तप आदि करते हैं.इसके साथ ही अपने आराध्य महावीरजी की पूजा करते हैं. 'जैन धर्म सबसे प्राचीन धर्मों में से एक माना जाता है. जैन धर्म में पर्युषण पर्व का विशेष महत्व माना गया है. यह लगभग 8 दिवसीय जैन त्योहार है, जिसमें समुदाय के लोग आध्यात्मिकता में लिप्त रहते हैं. यह त्योहार संवत्सरी के साथ समाप्त होता है, जो पर्युषण के आखिरी दिन मनाया जाता है- पर्युषण पर्व को धीरज पर्व, के नाम से भी जाना जाता है- जहां श्वेतांबर जैन अनुयायियों में पर्युषण पर्व 8 दिनों तक मनाने का विधान है, वहीं दिगंबर जैन का पर्युषण पर्व 10 दिनों तक चलता है.9108643630

कब से हो रहा है शुरू

भगवान महावीर ने भाद्रपद महीने की शुक्ल पंचमी से इस परंपरा की शुरुआत की थी- ऐसे में इस साल पर्युषण पर्व की शुरुआत 31 अगस्त, 2024 से हो रही है, जो 8 अगस्त, 2024 तक चलने वाला है. इस पर्व के दौरान समाजबंधु भक्तिभाव में ही लीन रहते हैं.पर्युषण पर्व के दौरान जैन धर्म के अनुयायी एक साथ आते हैं और अपने मानसिक और आध्यात्मिक विकास के लिए एक साथ उपवास और ध्यान करते हैं- इसे महापर्व भी कहा जाता है- जैन धर्म की मान्यताओं के अनुसार, जिस दौरान भगवान महावीर ने शिक्षा दी थी उस समय को ही पर्युषण पर्व के रूप में मनाया जाता है- इस महापर्व साधक को उत्तम गुण अपनाने की प्रेरणा देता है.इस दौरान विशेष पूजा-अर्चना, तप और ध्यान आदि भी किया जाता है- इन दिनों में जैन धर्म के लोग व्रत, तप, साधना करके आत्मा की शुद्धि का प्रयास करते हैं और पूरे वर्ष में जाने-अनजाने में किए गए पापों के लिए ईश्वर से क्षमा याचना भी करते हैं- इस पर्व के दौरान प्रतिदिन शाम को पश्चाताप के लिए प्रतिक्रमण किया जाता है.

जैन पर्युषण की सबसे महत्वपूर्ण परंपरा उपवास है- इसमें केवल उबला हुआ पानी पीना और केवल सात्विक भोजन करना शामिल है- इसके अलावा, इस दौरान पत्तेदार और हरी सब्जियाँ और पिसी हुई जड़ वाली सब्जियाँ खाने की अनुमति नहीं है.चूंकि जैन धर्म में पर्युषण के दिनों को पवित्र और महत्वपूर्ण माना जाता है, इसलिए प्रार्थना या व्याख्यान में भाग लेना महत्वपूर्ण माना जाता है- इसके साथ ही लोग अपने आध्यात्मिक विकास और व्यक्तित्व विकास के लिए पवित्र पुस्तकें और शास्त्र भी पढ़ते हैं.आध्यात्मिक विकास की बात करें तो जैन लोग अपने दैनिक

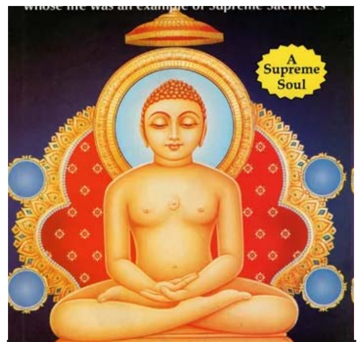

विदर्भ स्वाभिमान

धार्मिक पर्व पर विशेष

कार्यक्रम में ध्यान का अभ्यास भी शामिल करते हैं- ऐसा करने से उन्हें आंतरिक शांति और स्थिरता के साथ-साथ आत्म-ज्ञान भी मिलता है- लोकप्रिय जैन रीति-रिवाजों और परंपराओं के अनुसार, लोग पूरे दिन के प्रत्येक घंटे के लिए एक मिनट का समय ध्यान करने और ज्ञान प्राप्त करने के लिए निकालते हैं. पर्युषण पर्व के अंतिम दिन यानि संवत्सरी को पर्युषण पर्व का समापन होता है- इसके बाद लोग मिच्छामि दुक्कडम, खमत खामना और कई अन्य वाक्यांशों का उच्चारण करके अन्य जीवों से क्षमा मांगते हैं. पर्युषण पर्व को और भी सार्थक बनाने का सबसे आसान और सरल तरीका है मंत्र जाप का अभ्यास करना- कुछ लोग प्रतिदिन कम से कम 15-20 मिनट तक ध्यान के साथ-साथ मंत्रों का जाप भी करते हैं.ध्यान एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके माध्यम से व्यक्ति अपनी आध्यात्मिक यात्रा पर आगे बढ़ता है- इसलिए, जैन धर्म के पांच सर्वोच्चों, जिनमें 24 जिन और 4 मंगल शामिल हैं, की प्रार्थना करना सबसे अच्छा विकल्प है- ध्यान के साथ-साथ, व्यक्ति प्रतिदिन कम से कम एक घंटे मौन ध्यान करने का यात्प्रस करना चाहिए.

एकासना या ब्यासना

जैन पर्युषण के दौरान व्रत रखने वाले लोग एकासना या ब्यासना का विकल्प चुन सकते हैं- एकासना में, उन्हें दिन में केवल एक बार भोजन करने की अनुमति होती है, और वह सूर्योदय से पहले होता है- ब्यासना का अर्थ है दिन में केवल दो बार भोजन करना.ईमानदारी, अहिंसा और सत्य के मार्ग पर चलने के लिए खुद को उच्चतर आत्मा में लीन करना आवश्यक है- यह केवल अपने ज्ञान और बुद्धि को बढ़ाकर ही संभव है. इसलिए, कल्पसूत्र और तत्त्वसूत्र जैसे पवित्र ग्रंथों को पढ़ने की सलाह दी जाती है.

जैन धर्म के रीति-रिवाजों के अनुसार, पर्युषण के दौरान लोग हरी सब्जियाँ खाने से परहेज़ करते हैं- हालाँकि, हरी सब्जियों की जगह वे दूध से बने भोजन का सेवन कर सकते हैं. चूंकि पर्युषण के दौरान खाया जाने वाला भोजन पूरी तरह से सात्विक होता है, इसलिए बाहर का खाना या रेस्तरां और होटलों से जंक फूड खाना वर्जित है.

चमड़े की वस्तुओं का उपयोग या पहनना-पर्युषण के उत्सव के दौरान लोग खुद को सभी भौतिक दुनिया और भौतिकवादी चीजों से अलग कर लेते हैं और एक सरल जीवन जीने की कोशिश करते हैं- इस प्रकार, चमड़े से बनी वस्तुओं का उपयोग या पहनना उन्हें भौतिक दुनिया और उसकी भौतिक संपत्तियों से जोड़ देता है, जो वैराग्य के मूल सिद्धांत का खंडन करता है.

गुस्सा करना या अपशब्दों का प्रयोग करना-पर्युषण पर्व मनाने का पूरा सिद्धांत व्यक्ति के पिछले बुरे कर्मों को साफ करना है- इसलिए, दूसरों के लिए अपशब्दों का प्रयोग करना या गुस्सा करना और कठोर बातें कहना व्यक्ति के बुरे कर्मों को खत्म करने के बजाय उन्हें और बढ़ा देगा.वैसे भी इस पर्व के दौरान जितना शांति और समझदारी से चिंतन-मनन किया जाए, उतना ही बेहतरीन होता है. वैसे भी जितना मन पर नियंत्रण होता है, व्यक्ति में सोचने वाली भावना उतनी ही बेहतरीन होती है. पर्युषण पर्व में हमारी कोई बुराई भी हमे छोड़ने का प्रयास करना चाहिए. तभी यह पर्व सार्थक हो सकता है.

संकलन- राजेन्द्र गुप्ता,
ज्योतिषी और हस्तरेखाविद
मो. 9116089175

अनुपम
नमुना नं.१, राजकमल चौक,
अमरावती. ०७२१-२५७०१२९
ड्रेस मटेरियल्स
सलवार सुट्स
कुर्ती लेगिन्स
घाघरा चुन्नी
किड्स वेअर

सन 1967 पासून
अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट
संजय एजंसीज
टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन
2564125,2674048

गिफ्ट स्टेशन
फोटोग्राफी की आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता के साथ ही फैन्सी गिफ्ट आर्टिकल्स का शहर में विश्वसनीय स्थान बना है गिफ्ट स्टेशन, गुलशन प्लाजा, बडनेरा रोड अमरावती. महिलाओं के साथ बच्चों के उपहार से जुड़े सभी आइटम
गिफ्ट स्टेशन एन्ड स्टुडियो
गुलशन प्लाजा, बडनेरा रोड,भारतीय महाविद्यालय के पास,अमरावती.
मो.9028123251

हर गुरूवार नियमित पढ़िये विदर्भ स्वाभिमान

क़ेन्द्रीय मंत्री नितिन गड़करी का सत्कार

ब्राह्मण समाज की एकता के साथ ही भाजपा के पदाधिकारियों ने अखिल भारतीय ब्रह्मण महासंघ युवा अध्यक्ष श्री विक्की उर्फ़ विजय पुरुषोत्तम जी शर्मा, सौ नमिता तिवारी, जयदीप सराफ की और से नितिन गड़करी का स्वागत किया. शाल,श्रीफल बुके व सन्मान चिन्ह देकर सत्कार किया गया व भगवान श्री परशुराम जी के मंदिर के लिये जगह व निधि के लिये माँग की गयी. इस पर समुचित फैसला लेने का भरोसा नितिन गड़करी ने दिलाया.

अच्छा करने वाले के साथ सदैव प्रभु रहते हैं-गणेश जयस्वाल

मानवता सेवी व्यक्तित्व

गणेश जयस्वाल

अमरावती-इन्सान तेजी के बढ़ रहे हैं लेकिन उतनी ही तेजी से इन्सानियत घट रही है. हमारी परम्पराओं के साथ ही संस्कृति के लिए भी खतरे की स्थिति है. बच्चों को पढ़ाने लिखाने के साथ ही सामाजिकता,मानवता तथा मदद की भावना बचपन से पैदा करने की जरूरत है. ऐसा होने पर ही समाज तथा देश का कल्याण हो सकता है. यह कहना है शहर के सुख्यात समाजसेवी तथा व्यवसायी गणेश जयस्वाल का. उनके मुताबिक वही इन्सान इन्सान कहने के लायक है, जो किसी इन्सान का दर्द देखकर चिंतित होता है.

सेवाभावी कामों में सदैव प्रयासरत रहने वाले गणेश जयस्वाल माता-पिता के भक्त के साथ ही सहयोगी और मददगार व्यक्ति हैं. विदर्भ स्वाभिमान के साथ बातचीत करते हुए मिलनसार स्वभाव के धनी तथा सामाजिक कार्यों में भी अग्रणी रहने वाले जयस्वाल युवा संगठन के पूर्व अध्यक्ष गणेश जयस्वाल ने बताया कि बचपन से संघर्षमय स्थितियों से उन्हें जूझना पड़ा है. लेकिन माता-पिता का आशिर्वाद, जीवनसंगिनी का साथ मिलने से परेशानियों को निपटाने का प्रयास उन्होंने किया. आज शहर में व्यवसाय के क्षेत्र में उन्होंने स्वयं का स्थान पैदा किया है. शहरवासियों के साथ ही जयस्वाल समाज का अपार प्यार मिलने की बात उन्होंने कही.

जयस्वाल के मुताबिक माता-पिता की सेवा के साथ ही सभी रिश्तों को ईमानदारी से तथा संवेदनशीलता के साथ अगर निभाने का प्रयास किया जाए तो घर ही स्वर्ग बन जाता है. वैसे भी हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि जहां समझदारी, सुमति, अपनापन रहता है, वहीं लक्ष्मी का निवास होता है. सादगी के साथ मिलनसार स्वभाव के धनी गणेश जयस्वाल का कहना है कि उनके जीवन में दुवाओं का सदैव असर दिखाई दिया है. राष्ट्रीयता की भावना से ओतप्रोत रहने वाले गणेश जयस्वाल के मुताबिक नागरिकों के समर्पण से ही किसी भी राष्ट्र की प्रगति होती है.सकारात्मकता को जीवन में अत्याधिक महत्व रहने की बात कहते हुए गणेश जयस्वाल कहते हैं कि जब हम किसी का अच्छा सोचते हैं, करने की कोशिश करते हैं तो निश्चित तौर पर ऊपरवाला हमारा भी अच्छा करता है. कई लोगों में सदैव दूसरे के बारे में बुरा सोचने की भावना देखी जाती है, लेकिन ऐसे लोग जीवन में जहां के वहीं रह जाते हैं. इसलिए सदैव अपने से जितना अच्छा हो सकता है, उतना अच्छा करने का प्रयास करना चाहिए, तभी स्वयं का कल्याण होगा.मिलनसार स्वभाव के धनी गणेश जयस्वाल समाज कामों में भी सदैव अग्रणी रहते हैं. वे कहते हैं कि जब हम अच्छा करते हैं तो मन को शांति मिलती है. सेवाभाव के साथ ही जीवन में हर मोड़ पर पत्नी तथा परिवार का साथ मिलता है. उनके प्रयासों से कई लोगों को रोजगार मिला है. बीसी के माध्यम से लोगों की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के साथ ही बचत के लिए भी प्रेरित करते हैं.

समाजसेवा में अग्रणी

गणेश जयस्वाल मानवता की सेवा के साथ ही सदैव नेक कामों में भी योगदान देते हैं. पिछले पंद्रह वर्षों से परिचय के दौरान उन्हें कई बार करीब से जानने का मौका मिला है. वे कहते हैं कि माता-पिता की सेवा का पुण्य अपार होता है. उन्होंने अपने माता-पिता की सेवा जी-जान से की. वे कहते हैं कि जीवन में बुढ़ापा सभी को आता है. ऐसे में हमें कभी जवानी का गर्व नहीं करना चाहिए. जो पुत्र माता-पिता की सेवा करता है, वह जीवन में कभी भी दुखी नहीं हो सकता है. परिवार की मजबूती से ही व्यक्ति का रूतबा देखा जाता है. वे परिवार की एकता पर जोर देते हैं. साथ ही आजकल प्रभावित होने वाले रिश्तों को लेकर परेशान होते हैं. वे कहते हैं कि जीवन में जब भी किसी की मदद करने लायक हों तो अवश्य करना चाहिए. हमारी नेकी ही हमारे साथ जाती है. बाकी सब यहीं छूट जाता है. गणेश जयस्वाल को स्वस्थ,दीघार्यु जीवन की मंगल कामनाएं.

अमरावती मध्यवर्ती कारागार में महाकाली शक्तिपीठ के पीठाधीश्वर 1008 पूज्य शक्ति महाराज ने पहुंचकर जेल अधिकारियों से रक्षाबंधन बंधवाने के साथ ही पौधा प्रदान कर सत्कार किया. इस समय उन्हों ने सभी अधिकारियों को आशिर्वाद भी दिया.

अमरावती- शहर ही नहीं बल्कि विदर्भ में सुख्यात सतीधाम मंदिर में कृष्ण जन्माष्टमी के दूसरे दिन नंद उत्सव के उपलक्ष्य में बाल गोपाल,लडडू गोपाल का दूध, केसर एवं तुलसी से अभिषेक किया गया. इस शानदार कार्यक्रम में सतीधाम मंदिर के सभी पुजारियों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ में बाल गोपाल का अभिषेक संपन्न हुआ. अभिषेक मंदिर के व्यवस्थापक संजय झुनझुनवाला,जय जोशी एवं कोलकाता से पधारे उषाबाई अग्रवाल एवं उनकी सुपुत्री के साथ व्यास परिवार सहित बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित थे.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक,

सन 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.

फोन 2564125,2674048

राजपुरोहित डिजिटल स्टुडियो

शादी-ब्याह का रंग, हमारे संग

आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता क्री विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.

राजपुरोहित फोटो स्टुडियो

कृष्णार्पण कॉलोनी, संत लहानुजी महाराज मंदिर के पास,अमरावती.अमरावती.

मो.9028123251

विदर्भ स्वाभिमान

मानव सेवा,माता-पिता सेवा को प्रोत्साहित करने वाला समाचार पत्र

घर की छत पर पक्षियों के लिए दाना-पानी की सुविधा करें. भीषण गर्मी में उन्हें हमारी सर्वाधिक जरूरत है. सृष्टि हित में विदर्भ स्वाभिमान की विनम्र प्रार्थना है. इस माध्यम से पुण्य कमाने का सुअवसर मिल रहा है.